छात्रेिर

संoसंo 9/आo–03–44/2020 29 (9)

बिहार सरकार

स्वास्थ्य विभाग

प्रेषक,

अनिल कुमार,
सरकार के संयुक्त सचिव

राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार
बितरण शाखा
पंजी प्रविष्ट सं०- 649
दिनांक- 19/01/21
ई० कम्प्युटर सं०-

स्पीड पोस्ट सेवा में,

कार्यपालक निदेशक,
राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार, पटना।
विशेष सचिव, प्रभारी (प्रशाखा–06)
स्वास्थ्य विभाग, बिहार , पटना।
निदेशक प्रमुख (नर्सिंग),
स्वास्थ्य सेवाएँ, बिहार, पटना।
निदेशक प्रमुख (रोग नियंत्रण),
स्वास्थ्य सेवाएँ, बिहार, पटना।

पटना/दिनांक 12/1/2021

विषयः– जिला वैशाली/समस्तीपुर के स्वास्थ्य संस्थानों के निरीक्षण प्रतिवेदन के संबंध में।

महाशय,

निदेशानुसार, उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि जिला वैशाली एवं समस्तीपुर के स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण विभागीय दल द्वारा दिनांक 03.12.2020 को किया गया। निरीक्षण प्रतिवेदन की प्रति संलग्न कर आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजी जा रही है।

अनुलग्नकः–यथोक्त।

विश्वासभाजन
12-1-2021
(अनिल कुमार)

SPO (Q.A)

प्रशासी पदाधिकारी
20 JAN 2021
राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार

AO

कार्यपालक निदेशक

(22)

कार्यालय-असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,वैशाली हाजीपुर।
दूरभाष सं0-8544421943/E Mail I.D-civilsurgeonvaishali@gmail.com

पत्रांक- 2263

प्रेषक,

असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य
चिकित्सा पदाधिकारी,वैशाली हाजीपुर।

सेवा में,

सरकार के संयुक्त सचिव
स्वास्थ्य विभाग,बिहार पटना।

हाजीपुर,दिनांक- 10.12.2020

विषय-- दिनांक-03.12.2020 को विभागीय दल द्वारा स्थलीय जाँच प्रतिवेदन पर कार्रवाई कर प्रतिवेदन एवं स्पष्टीकरण देने के संबंध में।

प्रसंग-- भवदीय पत्र सं0-123/सं0स0 को0,पटना दिनांक-07.12.2020

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के अनुपालन में वांछित प्रतिवेदन निम्नलिखित रूप में उपलब्ध कराई जा रही है:-

क्रम सं0	निरीक्षण में उपदर्शित आपत्ति	अनुपालन
1	डा0 भारती गुप्ता,डा0 पुनम कुमारी तथा डा0 प्रदीप कुमार अनुपस्थित थे। उक्त चिकित्सक कई दिनों से नहीं आ रही है। (अनु0-1)	इस कार्यालय के पत्रांक-2209 दिनांक-03.12.2020 के द्वारा डा0 भारती गुप्ता तथा दंत चिकित्सक पुनम कुमारी से स्पष्टीकरण पूछा गया,जिसका जवाब संतोषप्रद नहीं है। डॉ0 प्रदीप कुमार निरीक्षण की तिथि-03.12.20 को अपराह्न 02 बजे से उनकी ड्यूटि थी,इसलिए वह पूर्वाह्न में उपस्थित नहीं थे।
2	श्री कृष्ण कुमारी मोहन,प्र0प्रा0,श्री धर्मेन्द्र कुमार,प0क0 कार्यकर्ता,श्री पुण्यदेव ठाकुर,प0क0कर्मी,श्री राकेश महतो,प0क0 कर्मी,श्री सौरभ कुमार,एस0टी0एस0एस0,श्री दीपक कुमार, एस0टी0एस0,श्रीमती सुधा कुमारी,ए0एन0एम0, श्रीमती अर्चना कुमारी, ए0एन0एम0,श्रीमती हरियाली कुमारी, ए0एन0एम0, श्री दीपक कुमार, प्र0प्रा0,श्री अविनाश चन्द्र,डी0ई0ओ0,श्वेता कुमारी तथा शोभा कुमारी,डी0ई0ओ0 अनुपस्थित थे। (अनु0-2)	इस कार्यालय के संबंधित कर्मियों से पत्रांक-2209 दिनांक-03.12.20 के अनुपालन में समर्पित किया गया स्पष्टीकरण असंतोषप्रद पाया गया,तथा अनुपस्थित अवधि का वेतनादि की कटौती करने का निदेश उपरोक्त पत्रांक से निर्गत किया गया है।

3	ममता कार्यकर्त्ता की पंजी में 26 में मात्र 8 उपस्थिति दर्ज थी।	तीन पाली में रोस्टर के अनुसार कार्य लिया जाता है,जिस कारण निरीक्षण के समय 08 ममता कार्यकर्त्ता का उपस्थिति दर्ज है।
4	अनुपस्थितियों के बारे में बताया गया कि ड्यूटी सुबह-शाम के रोस्टर में है,परन्तु इससे संबंधित कोई कागजात/आदेश कार्यालय द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया। अभिलेख [illegible] प्रमाणित नहीं थी।	प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी जन्दाहा द्वारा रोस्टर की प्रति उपलब्ध करा दी.गई ह,जो संलग्न है।
5	प्रा0स्वा0केन्द्र,हेतु बिहार मेडिकल सर्विस इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमीटेड द्वारा सितम्बर-2020 में एक्स-रे-मशीन उपलब्ध कराया गया। परन्तु लगभग 3 माह का समय बीत जाने के बावजुद उक्त मशीन को अधिष्ठापित किये जाने हेतु कोई भी सकारात्मक कदम द्वारा नहीं उठाया गया। आपूर्त्तिकर्त्ता के प्रतिनिधि से दूरभाष पर संपर्क करने पर यह जानकारी मिली की श्री शिशिर कुमार,बी0एच0एम0 द्वारा अधिष्ठापन हेतु तिथि निर्धारित किया जाना था जिसकी सूचना इनके द्वारा नहीं दी गई अपितु यह कहा गया कि यहाँ पर एक्स-रे-टेक्नीशीयन नहीं है। उल्लेखनीय है कि इस केन्द्र पर पी0पी0पी0 मोड पर एक्स-रे-केन्द्र कार्यरत है,जो आज निरीक्षण के क्रम में बन्द पाया गया।	प्रा0स्वा0केन्द्र जन्दाहा में एक्स-रे-टेक्नीशियन का पद सृजित नहीं है,तत्कालीक व्यवस्था के तहत सदर अस्पताल हाजीपुर से एक एक्स-रे-टेक्नीशियन की प्रतिनियुक्ति की दी गई है,चुंकि सदर अस्पताल हाजीपुर में नवम्बर,2020 से डीजिटल एक्स-रे चालु हो गया है,एक्स-रे-टेक्नीशियन के अभाव के कारण मशीन के अधिष्ठापन हेतु निर्णय होने में विलम्ब हुआ है,वर्तमान में एक्स-रे का कार्य अधिष्ठापित मशीन के द्वारा चालु है,तथा प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक का स्पष्टीकरण संलग्न है।
6	केन्द्र में डेन्टल चेयर उपलब्ध था जो जर्जर हालत में था तथा उपयोग में नहीं था। 3 ए0एन0एम0 2-3 दिनों से अनुपस्थित है,परन्तु इसका संज्ञान देते हुये कोई भी कार्रवाई नहीं की गई।	डेन्टल चेयर को दुरूस्त करा दिया गया है,तथा इस कार्यालय के पत्रांक-2209 दिनांक-03.12.20 के द्वारा अनुपस्थित तिथि का वेतन अवरूद्ध करते हुए कारण पृच्छा की गई है।
7	केन्द्र पर रक्त जाँच हेतु एक सेल काउन्टर तथा एक सेमी ऑटो एनालाईजर उपकरण अधिष्ठापित है जिसके संबंध में यह बताया गया कि सेमी ऑटो एनालाईजर विगत एक वर्ष से री-एजेन्ट नहीं होने के कारण उपयोग में नहीं है। प्रखण्ड स्वा0 प्रबंधक को इसकी जानकारी भी नहीं थी। सेल काउन्टर का भी आवश्यकतानुसार उपयोग नहीं हो रहा है,जिस	प्रा0स्वा0केन्द्र जन्दाहा में प्रयोगशाला प्रावैधिक के पद पर दो कर्मी पदस्थापित है,उनमें से एक कर्मी की प्रतिनियुक्ति श्री संतोष कुमार पटेल की प्रतिनियुक्ति आई0जी0एम0एस0 पटना में है,मात्र एक प्र0प्रा0 श्री कृष्ण मुरारी मोहन कार्यरत है,जिनसे कोविड-19 के सैम्पुल लेने का कार्य कराया जा रहा है।सेमी ऑटो एनालाईजर हेतु री-एजेन्ट उपलब्ध करा दिया गया है,एवं 03 सेल

2263
10.12.2020

	दो दिनों में मात्र तीन जाँच किये गये। कमरे का रेफ्रीजरेटर भी महीनों से खराब है।	काउंटर चालु हालत में कार्यरत है।
8	2006 से यहाँ ड्रेसर पदस्थापित नहीं है। केन्द्र पर आकस्मिक चिकित्सा में सहयोग का कार्य चतुर्थ वर्गीय स्वास्थ्य कर्मी के द्वारा किया जाता है।	वैशाली जिले में ड्रेसर का कुल-60 पद सृजित है,जिसके विरुद्ध कार्यरत शून्य है।
9	केन्द्र पर उपलब्ध दवाओं की सूची उपलब्ध नहीं थी।	सूचना पट पर प्रदर्शित करा दिया गया है।
10	मरीजों का निबंधन कम्प्यूटरीकृत था परन्तु एस0एम0एस0 नहीं आ रहा था	सॉफ्टवेयर में ऐसी व्यवस्था है कि कम्प्यूटरीकृत निबंधित करने के पश्चात दवा काउंटर से दवा प्राप्त करने के बाद संध्या में डाटा ऑपरेटर के द्वारा सिंकोनाईज करने के उपरान्त मरीजों के मोबाईल पर एस0एम0एस प्राप्त होता है।
11	उपरोक्त वर्णित कुव्यवस्थाओं के संबंध में चिकित्सा प्रभारी तथा प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक द्वारा कोई संतोषप्रद उत्तर नहीं दिया गया।	अधोहस्ताक्षरी स्तर से आवश्यक निर्देशित करते हुए निरीक्षण के समय प्रा0स्वा0केन्द्र जन्दाहा में प्राप्त अव्यवस्था में अपेक्षाकृत व्यवस्थित करा लिया गया है।
12	स्वास्थ्य उपकेन्द्र,चाँदसराय एक अत्यन्त ही जर्जर एवं निर्धारित मानकों के पूर्णतः प्रतिकूल भवन (झोपड़ी) जो किराये पर ली गई है में स्थित है। यहाँ पदस्थापित/प्रतिनियुक्त श्रीमती मीरा कुमारी,ए0एन0एम0 तथा श्रीमती रेणु कुमारी,ए0एन0एम0 अनुपस्थित थी। ग्रामीण द्वारा बताया गया की माह में एक बार टीकाकरण हेतु ही आती है।	श्रीमती रेणु कुमारी,ए0एन0एम0 संविदा पर कार्यरत थी,जिनकी नियमित नियुक्ति होने के कारण वह अन्यत्र जिला में नियुक्त की गई है,वर्तमान में श्रीमती मीरा कुमारी,ए0एन0एम0 अकेले ही पदस्थापित है,इन्हें क्षेत्र में टीकाकरण कार्य करना एवं शेष दिनों में स्वा0उपकेन्द्र में ओ0पी0डी0 कार्य करना है,लेकिन निरीक्षण के दिन कार्य से अनुपस्थित पाई गई,इनके लिये कार्यालय पत्रांक-2210 दिनांक-03.12.20 के द्वारा वेतनादि अवरुद्ध करते हुए स्पष्टीकरण की माँग की गई है,भवदीय के निरीक्षण के पश्चात मैं स्वयं स्वा0उपकेन्द्र चाँदसराय गया एवं स्वा0उपकेन्द्र की जर्जर हालत को देखते हुए माननीय् मुखिया से वार्ता कर जिला पदाधिकारी से अनुमति लेते हुए पंचायत सरकार भवन में स्वा0उपकेन्द्र को स्थानान्तरित करा दिया गया है।
13	उपरोक्त वर्णित से स्पष्ट है कि चिकित्सा प्रभारी तथा श्री शिशिर कुमार,बी0एच0एम0 द्वारा अपने निर्धारित दायित्वों का निर्वहन में लापरवाही बरती जा रही है,जिससे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जन्दाहा का प्रबंधन प्रभावित हो रहा है।श्री शिशिर कुमार, बी0एच0एम0 का	प्रा0स्वा0केन्द्र जन्दाहा में बी0पी0एम0यु0 में 04 पद में से वर्तमान में मात्र 02 पदस्थापित एवं कार्यरत हैं,यथा बी0सी0एम0 एवं प्रखंड अनुश्रवण एवं मुल्यांकण सहायक का पद रिक्त है इसलिए प्रखंड स्वा0 प्रबंधक उपरोक्त दोनों पदों के भी अतिरिक्त प्रभार में हैं। अनुपस्थित सभी कर्मियों

2263
10.12.2020

	इस पद पर कार्यरत रहने का कोई औचित्य प्रतीत नहीं होता है। अनुपस्थित कर्मियों से स्पष्टीकरण प्राप्त कर लापरवाह कर्मियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिये	से कार्यालय पत्रांक– 2209 एवं 2210 दिनांक–03.12.20 के द्वारा वेतनादि अवरूद्ध करते हुए कारण पृच्छा की गई है।
14	मुख्य शल्य चिकित्सक,वैशाली भी स्पष्ट करें की डॉक्टरों तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु क्या कदम उठाए जा रहे हैं,तथा महत्वपूर्ण उपकरणों का समुचित अधिष्ठापन एवं उनका उपयोग सुनिश्चित करने हेतु उनके स्तर से अनुश्रवण क्यों नहीं किया गया है? पैथोलोजी लैब को चालु रखने हेतु निर्गत पत्रों के आलोक में कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? उपकरणों का उचित रख–रखाव क्यों नहीं सुनिश्चित किया जा रहा है? स्वास्थ्य उपकेन्द्रों का संचालन मानको के अनुसार क्यों नहीं किया जा रहा है? तथा इनका नियमित संचालन क्यों नहीं हो रहा है?	अधोहस्ताक्षरी स्तर से चिकित्सक/ कर्मियों की उपस्थिति,महत्वपूर्ण उपकरणों का अधिष्ठापन एवं उनका उपयोग सुनिश्चित कराने हेतु नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है,विगत माह में लालगंज,पटेढ़ीबेलसर, भगवानपुर, बिदुपुर का निरीक्षण किया गया,तथा अनुपस्थित चिकित्सक/ कर्मियों का वेतनादि अवरूद्ध किया गया है। जिला स्तरीय सभी कार्यक्रम पदाधिकारी के बीच नियमित निरीक्षण हेतु टीम का गठन कर ली गई है,तथा प्रखंड स्तर पर सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निदेशित किया गया है कि प्रत्येक सप्ताह स्वा0उपकेन्द्रों निरीक्षण कर प्रतिवेदन जिला मुख्यालय को ससमय समर्पित करें। पैथोलोजी के संबंध में कहना है कि प्रयोगशाला प्रावैधिकों से मार्च,20 से ले कर अभी तक कोविड–19 के सैम्पुल कलेक्शन हेतु विशेष रूप से कार्य लिया जा रहा है। वर्तमान में सभी प्र0प्रा0 से सैम्पुल कलेक्शन के अतिरिक्त सामान्य जाँच करने हेतु निदेशित किया गया है।

अनुलग्नक– यथोक्त।

विश्वासभाजन

10.12.20

अतिरिक्त शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी वैशाली हाजीपुर।

2263
10.12.2020